बिम्बिसार का परिचय

June 2019

Sunday 23

बिम्बिसार हर्यकवंश का प्रथम राजा था। वह 543 ई पूर्व मगध की गद्दी पर बैठा था। इसने मगध की राजधानी राजगृह बनाया तथा इसे प्राचीरों से घेरकर सुरक्षित बनाया पहाड़ियों के कारण इसकी सुरक्षा सरल थी।

बिम्बिसार ने मगध राज्य की सीमा विस्तार करने के लिए दो नीतियों का अवलम्बन किया (1) विवाह और (2) विजय इसने तीन विवाह किया — कोशलराज प्रसेनजित की बहन कोशलदेवी से (2) लिच्छविराज चेतक की कन्या चेल्लना से और तीसरा पंजाब के

Monday 24

मद्र-राजा की कन्या क्षेमा से। प्रसेनजित ने बिम्बिसार को काशी राज्य का एक भाग दहेज में दिया जिसे वार्षिक आय एक लाख बढ़ गया इस लाभ से उसका आर्थिक चिन्ता दूर हो गया। लिच्छवियों से वैवाहिक सम्बन्ध होने से प्रतिष्ठा में चार चाँद आ गया तथा सीमाएँ सुरक्षित हो गया

बिम्बिसार साम्राज्यवादी प्रवृत्ति का राजा था इसने सीमा विस्तार करने के लिए पड़ोस के राज्य अंग पर आक्रमण कर अपने राज्य मिला लिया कुछ अन्य राज्य से मित्रता स्थापित किया। वत्स, गांधार कम्बोज तथा

June 2019

25 Tuesday

मगध राज्यों से कूटनीति संबंध बनाया। बिम्बिसार की मृत्यु के कई कारण बताये गये है संभवत: उसके पुत्र अजातशत्रु ने उसका वध कर दिया।

26 Wednesday